VIDEO Play

AUDIO

भजन

तर्ज– आपके हसीन रूख पे

आपके ही नूर से,इन आशिकों में नूर है
बेखुदी में जी रहे हैं,मस्तियों में चूर हैं
आपकी निगाह के जाम तो भरपूर हैं
पी रहे हैं आप के ही इश्क का सरूर है

1– दर्दे दिल की है शफा,हजूर का यूं देखना
कि दिल को चौन दे रहा है,यूं करीब बैठना
खो गए हैं हम तुमी में,खुद से दूर दूर हैं

2– खूब खूब तुमने अपना,इश्क तो पिला दिया
ये दिल मेरा भी आपने तो,अपने दिल में ले लिया
अब तो हर तरफ मेरे हजूर का जहूर है

3– इश्क की दीवानगी है,आशिकों में इस कदर
जहां की हर खुशी भी,उनके वास्ते है बेअसर
आपके बिना ये दिन, ये रात भी बेनूर है